भारत सरकार
विदेश मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 899
दिनांक 26.07.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए
संयुक्त राष्ट्र में स्थायी सीट

899. **डॉ. आलोक कुमार सुमनः**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने संयुक्त राष्ट्र में स्थायी सदस्यता प्राप्त करने के लिए कोई पहल शुरू की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं, और

(ग) इस संबंध में अब तक किए गए प्रयासों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(श्री कीर्ति वर्धन सिंह)

(क) भारत सरकार विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत के लिए स्थायी सदस्यता प्राप्त करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

(ख) और (ग)

- सरकार ने इस दिशा में भारत के लिए अंतर्राष्ट्रीय समर्थन जुटाने के उद्देश्य से विभिन्न पहल की हैं। इस मामले को द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बैठकों के दौरान और उच्चतम स्तर सहित सभी स्तर पर अन्य देशों के साथ चर्चाओं में लगातार उठाया गया है। इस पर 2021–22 के दौरान यूएनएससी में भारत की अस्थायी सदस्यता के दौरान भी सक्रिय रूप से कार्य किया गया है।

- भारत इस मामले में जी4 और एल.69 सहित समान विचारधारा वाले देशों के साथ वार्ता कर रहा है। हम यूएनएससी सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए अंतर–सरकारी वार्ता (आईजीएन) में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं।

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की प्रक्रिया के लिए संयुक्त राष्ट्र चार्टर में संशोधन की आवश्यकता होगी। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 108 के अनुसार:

"वर्तमान चार्टर में संशोधन संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्यों के लिए तब लागू होंगे जब उन्हें महासभा के दो तिहाई सदस्यों के मत से अंगीकार किया गया हो और सुरक्षा परिषद के सभी स्थायी सदस्यों सहित संयुक्त राष्ट्र के दो तिहाई सदस्यों द्वारा उनकी संबंधित संवैधानिक प्रक्रियाओं के अनुसार इनका अनुसमर्थित किया गया हो।"

- जब भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधारों को क्रियान्वित किया जाएगा, तो उन्हें संयुक्त राष्ट्र के दो तिहाई सदस्यों वाली संसदों के अनुसमर्थन की आवश्यकता होगी (जहां और जहां लागू हो)।

- बड़ी संख्या में विभिन्न देशों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए भारत की पहल का समर्थन किया है, साथ ही संशोधित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए हमारी उम्मीदवारी का भी समर्थन किया है।

*****